International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 04(II), October - December, 2023, pp. 177-182

माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

रजनी जादौन*
डॉ. श्रद्धा सिंह चौहान**

सार

प्रस्तुत शोधकार्य माध्यमकि स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन है। इस शोध के उद्धेश्य के रूप में लिंग के आधार पर माध्यमिक स्तर के एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध में सरल यादृच्छिक विधि द्वारा सामान्य विद्यार्थी तथा उद्धेश्यपूर्ण यादृच्छिक विधि द्वारा एन.सी.सी. कैडेट्स का चयन किया गया है। अध्ययन के लिए राजस्थान के जयपुर शहर के माध्यमिक विद्यालयों को चुना गया है। समस्या की प्रकृति के अनुरूप शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। समायोजन के मापन के लिए ***ए.पी.के. सिंहा*** *एवं* ***आर.पी. सिंह*** *द्वारा निर्मित 'एडजस्टमेण्ट इनवैन्ट्री फॉर स्कूल स्टूडेन्ट्स' का प्रयोग किया गया है। इस शोध कार्य में निष्कर्ष रूप में पाया गया कि एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन में अन्तर है।*

शब्दकोशः *समायोजन, एन.सी.सी. कैडेट्स, गैर–सरकारी विद्यालय।*

प्रस्तावना

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इसी कारणवश मानव जीवन का सामाजिक पहलू और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। वर्तमान तकनीक के युग में मानव अपने सामाजिक पहलू के विस्तार हेतु अनेक सोशल साइट्स जैसे –गूगल, ई–मेल, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट आदि विभिन्न प्रकार के माध्यमों का सहारा लेता है। इन सभी का प्रयोग मानव की बौद्धक क्षमता तथा व्यक्तित्व के गुणों पर निर्भर करता है। इनका उचित प्रयोग व्यक्ति के सामाजिक भौतिक परिवेश को और अधिक परिष्कृत करता है। इसके अतिरिक्त व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए आधारशिला परिवार से शुरू होकर विद्यालय में प्रवेश करती हैं। विद्यालय से प्राप्त शिक्षा, विभिन्न क्रियाकलाप तथा अनेक प्रकार की पाठ्यसहगामी क्रियायें जैंसे – वादविवाद प्रतियोतगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, योजना कार्य, एन.एस.एस., स्काउट गाइड तथा एन.सी.सी. आदि बालक के व्यक्तित्व को परिष्कृत करते हैं। बालक में सामाजिक गुणों का विकास करते हैं। इन गुणों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण सामाजिक समायोजन है।

* शोधार्थी, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
** शोध निर्देशिका एवं सहायक आचार्य, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर, राजस्थान।

समायोजन

मनुष्य समाज की महत्वपूर्ण इकाई है। व्यक्ति का पालन पोषण भी समाज में होता है। व्यक्ति समाज में उत्तम जीवनयापन के लिए अपेक्षाएं भी रखता हैं तथा इन्हीं अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु प्रयास भी करता हैं। इन अपेक्षाओं की पूर्णता व्यक्ति के प्रयासों के बीच संतुलन व सामंजस्य पर निर्भर करता है। परन्तु जब व्यक्ति की अपेक्षा पूर्ण नहीं होती है तब वह विपरीत या अप्रिय स्थिति से समझौता कर लेता है, इसे ही समायोजन कहते हैं।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

प्रतिभा यादव (2023) ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं में समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर पाया जाता है। **किरण कर्नाटक एवं दीपा पाण्डे (2022)** ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि स्नातक स्तर के किशोर एवं किशोरियों के समायोजन में सार्थक अन्तर पाया जाता हैं। किशोरों का स्वास्थ्य समायोजन किशोरियों से उत्तम पाया गया। संवेगात्मक समायोजन में किशोरियाँ किशोरों की तुलना में अधिक संवेदनशील होती हैं। अन्य क्षेत्र जैसे ग्रह समायोजन, सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक समायोजन में किशोरों का समायोजन किशोरियों की तुलना में बेहतर पाया गया। **डॉ. शर्मिला, डॉ. अब्दुल सत्तार एवं श्रीमती सविता सालोमन (2020)** ने अपने शोध कार्य के निष्कर्ष में पाया कि समायोजन पर आय का प्रभाव तथा माता–पिता की शिक्षा का प्रभाव भी पड़ता है। साथ ही साथ यह भी पाया कि लिंग संबंधी कारक का प्रभाव भी सामाजिक समायोजन, भावात्मक समायोजन एवं शैक्षिक समायोजन पर पड़ता है। **प्रो. दिलीप कुमार झा (2019)** ने अपने शोध कार्य में निष्कर्ष रूप में पाया कि यदि बालक अपने परिवार में समायोजित होता हैं तो उसका कक्षा पर्यावरण प्रत्यक्षीकरण भी सकारात्मक होगा। इसके विपरीत यदि बालक अपने परिवार में समायोजित नहीं होता हैं तो उसका कक्षा पर्यावरण प्रत्यक्षीकरण भी नकारात्मक होगा।

समस्या कथन

माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

उद्धेश्य

- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- लिंग के आधार पर माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता हैं।
- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रा एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता हैं।
- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण

माध्यमिक स्तर

माध्यमिक शिक्षा परिषद राजस्थान द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् 9वीं व 10वीं के छात्र तथा छात्रायें।

एन.सी.सी. कैडेट्स

कक्षा 9 व 10वीं के वे विद्यार्थी जो एन.सी.सी. के जूनियर विंग के कैडेट्स है।

परिसीमन

प्रस्तुत शोध कार्य में समयसीमा को ध्यान में रखकर निम्नांकित बिन्दुओं में सीमत किया गया हैं –

- प्रस्तुत शोध हेतु राजस्थान के जयपुर जिला के गैर–सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को लिया गया है।
- यह शोध कक्षा 9 तथा 10वीं तक के छात्र–छात्राओं तक सीमित हैं।
- इस शोध हेतु एन.सी.सी. के जूनियरविंग के कक्षा 9 व 10वीं के कैडेट्स को चुना गया है।
- यह अध्ययन 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के माध्यमिक विद्यार्थियों तक सीमित हैं।

चर

- **स्वतंत्र चर –** एन.सी.सी. कैडेट्स, सामान्य विद्यार्थी
- **आश्रित चर –** समायोजन

शोध विधि

प्रस्तुत शोधकार्य के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण शोध विधि को चुना गया है।

न्यादर्श

न्यादर्श के लिए 84 एन.सी.सी. कैडेट्स का चयन उद्धेश्यपूर्ण यादृच्छिक विधि द्वारा तथा 84 सामान्य विद्यार्थियों का चयन सरल यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोधकार्य में **ए.पी.के सिंहा** एवं **आर.पी. सिंह** द्वारा निर्मित 'एडजस्टमेंट इनवैन्ट्री फॉर स्कूल स्टूडेन्ट्स' का प्रयोग किया गया है।

शोध सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में निम्न सांख्यिकी का प्रयोग किया गया हैं –

- मध्यमान
- प्रामाणिक विचलन
- टी–अनुपात

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

शून्य परिकल्पना 1 माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता हैं।

सारणी 1

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	टी–मान	परिणाम
1.	एन.सी.सी. कैडेट्स	84	98.78	9.60	2.931	अस्वीकृत
2.	सामान्य विद्यार्थी	84	94.50	9.33		

Df 166 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर टी–मान = 1.96

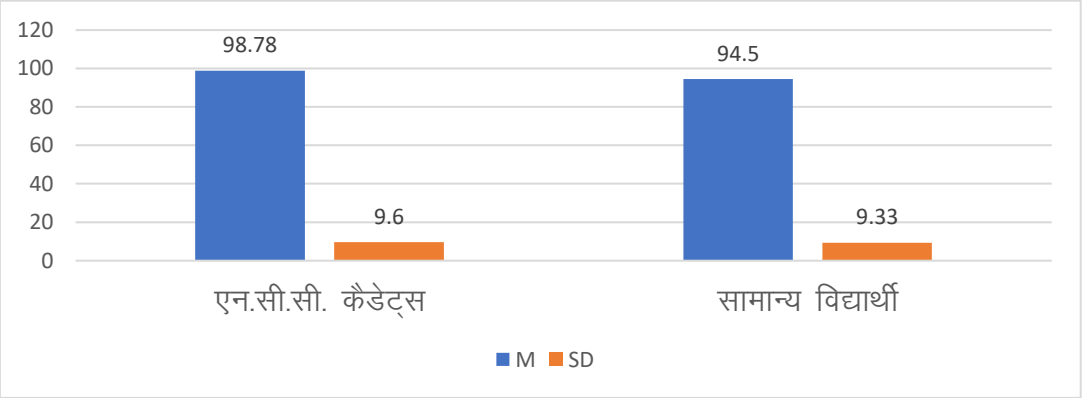

उपर्युक्त तालिका के अवलोकन द्वारा यह ज्ञात होता है कि एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन से प्राप्त हुए मध्यमान तथा प्रामाणिक विचलन के बीच टी–मान 2.931 प्राप्त हुआ है। अतः इससे यह ज्ञात होता है कि एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन में सार्थक अन्तर हैं।

शून्य परिकल्पना 2 माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रा एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता हैं।

सारणी 2

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	टी–मान	परिणाम
1.	छात्रा एन.सी.सी. कैडेट्स	42	93.52	7.97	1.156	स्वीकृत
2.	सामान्य छात्रायें	42	91.43	8.59		

df 82 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर टी–मान = 1.96

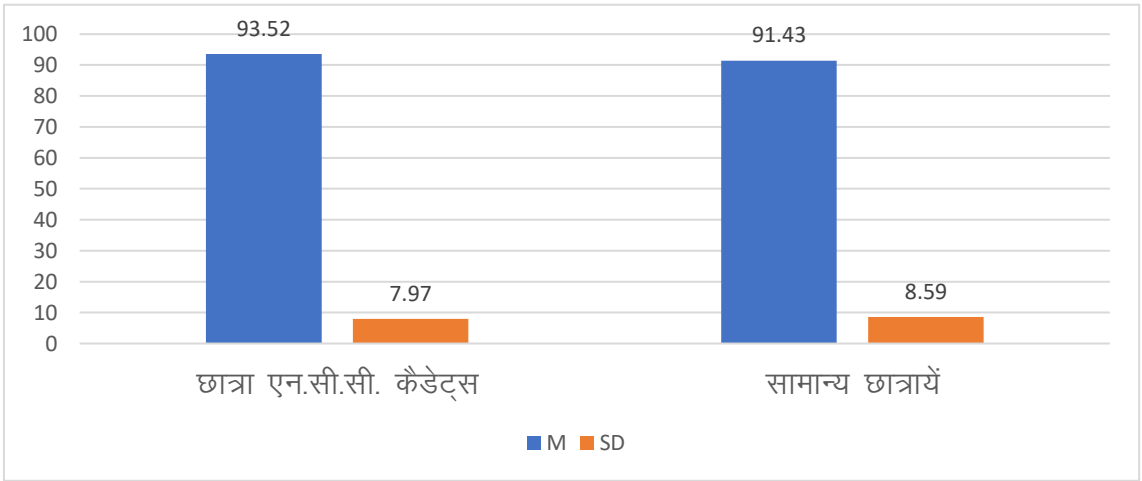

उपर्युक्त तालिका एवं दण्ड आरेख के अवलोकन द्वारा यह ज्ञात होता है कि छात्रा एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं के समायोजन से प्राप्त हुए मध्यमान तथा प्रामाणिक विचलन के बीच टी–मान 1.156 प्राप्त हुआ हैं। अतः इससे यह ज्ञात होता है कि छात्रा एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं हैं।

शून्य परिकल्पना 3 माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्रों के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता हैं।

सारणी 3

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	टी–मान	परिणाम
1.	छात्र एन.सी.सी. कैडेट्स	42	91.49	7.99	1.290	स्वीकृत
2.	सामान्य छात्र	42	90.40	6.86		

df 82 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर टी–मान = 1.96

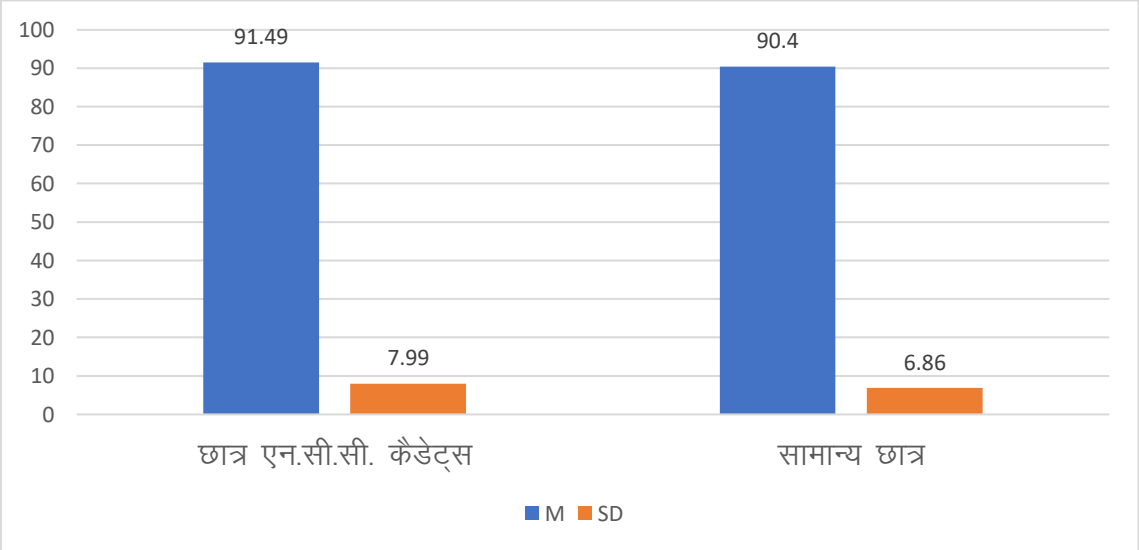

उपर्युक्त तालिका एवं दण्ड आरेख के अवलोकन के द्वारा यह ज्ञात होता है कि छात्र एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्रों के समायोजन से प्राप्त मध्यमान तथा प्रामाणिक विचलन के बीच टी–मान 1.290 प्राप्त हुआ है। अतः इससे यह ज्ञात होता है कि छात्र एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्रों के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोधकार्य में निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए –

- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् एन.सी.सी. कैडेट्स का समायोजन सामान्य विद्यार्थियों की तुलना में उत्तम पाया गया।
- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रा एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं हैं।
- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र एन.सी.सी. कैडेट्स तथा सामान्य छात्रों के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं हैं।

सुझाव

- प्रस्तुत शोधकार्य में एन.सी.सी. कैडेट्स का समायोजन अच्छा पाया गया है। अतः विद्यालय में विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन अवश्य करना चाहिए।
- विद्यालयों में इस प्रकार से शिक्षण व्यवस्था करनी चाहिए कि अन्य विद्यालयी गतिविधियाँ भी शिक्षण का एक अंग बन सकें।

- सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न नीतियां एवं कानून जैसे –राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, बाल श्रम निषेध कानून, सर्व शिक्षा अभियान, माध्यमिक शिक्षा अभियान लागू करके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।
- भविष्य में यह शोध कार्य भावी शोधार्थी द्वारा किसी अन्य शहर में भी किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. सिंह, अरूण कुमार, 'मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां', मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, दिल्ली ISBN 8120824105, 2017
2. शर्मा, आर.ए., 'शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया', आर लाल बुक डिपो, मेरठ, 2012
3. नेशनल कैडेट कोर (इंडिया) विकिपीडिया https://en-m.wikipedia.org/wiki/nationalcadetcorps (India)
4. यादव, प्रतिभा, माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का अध्ययन' International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT) ISSN : 2320-2884, Volume 11, Issue 8, August 2023. https://ijcrt.org
5. डॉ. शर्मिला ; सत्तार, डॉ. अब्दुल एवं सालोमन, श्रीमती सविता, उच्चतर माध्यमिक स्तर की कन्या शाला एवं सह–शिक्षा में अध्ययनरत् छात्राओं की समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन' International Journal of Reviews and Research in Social Sciences, ISSN 2454-2687 (Online) ijrrssonline.in, https://ijrrssonline.in
6. प्रो. दिलीप कुमार झा, 'माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के संबंध में कक्षा पर्यावरण प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन' Social Research Foundation ISSN No. 2231-0045, RNI No. UPBIL/2012/55438, Volume 07, Issue 03, Feb. 2019, https:www.socialresearchoffoundation.com
7. कर्नाटक, किरण एवं पाण्डे, दीपा, 'किशोरों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन', International Journal for Research Trends and Innovation, IJRTI, Volume 07, Issue-12, ISSN 2456-3315, 2022, http://www.ijrti.org

❖◆❖